International Journal of Research in Economics and Social Sciences (IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 4, April - 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 |

रामायण की सार्थकता मे पुरातत्व का योगदान

किरण
गांव व डा0 लाखनमाजरा
तहसील महम जिला रोहतक

संक्षेपिका :–

राम और रामायण आदि काल से लोगो की आस्था का केन्द्र रहे हैं। रामायण की माने तो अधर्मी रावण को मारकर प्रभु श्रीराम ने धर्म की स्थापना की थी। वैसे कुछ लोगो का मानना है कि प्रभु श्रीराम ने धरती पर जन्म लिया भी था या नही। क्या रावण के सच मे 10 सिर और 20 हाथ थे क्या हनुमान जी अपना रूप मनचाहा बडा कर सकते थे। ऐसे कई सवाल है जो समय–2 लोगो के जेहान मे आते हैं। उसमे सबसे बडा सवाल है रामसेतु का जिसे श्रीराम ने बनाकर वानर सेना के साथ रावण की नगरी लंका पर हमला बोला था।

आज हम आपको रामायण से जुडे कुछ ऐसे तथ्यों से अवगत करा रहे है जिसके बाद आप कह सकेगे की ये सब सत्य हैं। इनके कई पुरातात्विक स्त्रोत है जो कि सत्यता की कसौटी पर खरे उतरते हैं। भारत और श्रीलंका मे कुछ ऐसी जगह है जो इस बात का प्रमाण देती है कि रामायण मे लिखी हर बात सच हैं।

भूमिकाः–

रामायण काल की घटनाओं को भारत मे ही कुछ लोग एक काल्पनिक घटना मानते हैं । वही विदेषी इतिहासकार रामायण मे रूचि लेते नजर आते हैं। पर आज हम आपकों इन सभी बहस से अलग कुछ ऐसे तथ्य जिन्हे देखकर आप भी सोच मे पड जाएगे कुछ ऐसे पुरातत्व सबूत जो राम और रावण की कहानियों को सच साबित करते हैं के विषय मे बताऐगें।

भारत के प्राचीन ऐतिहासिक खंडरो को यदि पूर्ण रूप से खोदा जाए तो उनमे रामायण के प्रमाण मिल सकते हैं। इस विषय पर स्वामी ओमान्द जी सरस्वती ने प्रर्याप्त अन्वेषण किया और रामायण से सम्बंधित अनेक मूर्तियां प्राप्त की, सिरसा खेडी, हाठ, नचार खेडा, जीन्द, सन्ध्याय, कौषाम्बी, अहिच्छत्रा, कटिंघरा और भादरा से ऐसे अनके पुरातत्वीय प्रमाण प्राप्त हुए हैं जिनसे सिद्व होता है कि श्रीराम, सीता, हनुमान, सुग्रीव, जाम्बवन्त, बाली, और रामायण ऐतिहासिक हैं।

रामायण और पुरातत्वः–

ये हैं पुरातत्व के वो सबूत जो रामायण की कहानियों को सत्य साबित करते हैं।

1– रावण का महत्वः–

श्रीलंका की रामायण अनुसंधान के अनुसार उन्होनें रावण का महल भी ढूंढ निकाला हैं। जिसके अवषेष आज भी मौजूद हैं। संस्था के अनुसार यह वही महल है जिसे महा–पराक्रमी भगवान हनुमान ने जलाया था और जब संस्था ने इस षहर के प्राचीन होने की जांच की तो उन्हे यह जानकर बहुत आष्चर्य हुआ कि यह जगह वास्तव मे उनकी सोच से कही पुरानी हैं।

2– सुग्रीव की गुफाः–

प्राचीन कहानियो के अनुसार बाली को मातंग ऋषि ने यह श्राप दिया था कि अगर वह ऋष्यमूक पर्वत पर गए तो उसकी मृत्यु हो जाएगी, यह बात स्वंय सुग्रीव को भी पता था। इस

कारण बाली से युद्व के बाद डर के कारण सुग्रीव जिस गुफा मे ठहरे थे, वह गुफा आज भी ऋष्यमूक पर्वत मे मौजूद हैं। वैज्ञानिको ने कार्बन डेटिगं के आधार पर इस गुफा को रामायणकालिन बताया हैं।

3– रावण के हवाई अडडेः–

श्रीलंका की रामायण अनुसंधान कमेटी ने जांच की और रामायण कालीन रावण के चार हवाई अडडे

ढूढंने का दावा किया। यह कमेटी लगभग नौ साल से पूरे श्रीलंका का कोना–2 छान रही है जिसके कारण कई चौकाने वाली जानकारियां प्राप्त हुई हैं। इस कमेटी के अध्यक्ष अषोक कैंथ के मुताबिक रामायण मे जो श्रीलंका बताई गई हैं वह आज की वर्तमान श्रीलंका हैं । इन्होने रावण के चार हवाई अडडे खोजे हैं जिनके नाम है – उसानगोडा, गुरूलोपाथा, तोतूपोलाकंदा, तथा वरियापोला।

4– थाईलैन्ड षिलाचित्रः–

थाईलैन्ड की राजधानी बैकॉक के राजभवन परिसर के दक्षिणी किनारे पर वाट–पो या जेतुवन विहार हैं। इसके दक्षिण कक्ष मे संगमरमर के 152 षिलापटों पर राम कथा के चित्र उतर्तीण हैं। जे0 एम0 कैडेट की पुस्तक 'रामकियेन' मै उनके चित्र हैं।

और उनका अध्ययन भी किया गया हैं। इस ग्रन्थ मे उन षिलाचित्रों को 9 खण्डो मे विभाजित कर उनका विषलेषण किया गया हैः–

1– सीताहरण 2– हनुमान की लंका यात्रा, 3– लंका दहन 4– विभीषण निष्कासन 5– छद्व सीता प्रकरण 6– सेतु निर्माण 7–

लंका सर्वेक्षण 8– कुम्भकर्ण तथा इन्द्रजीत वध 9– अन्तिम युद्व ।

5– श्रीलंका मे हिमालय की जडी–बूटी :–

श्रीलंका के उस स्थान पर जंहा लक्ष्मण को संजीवनी दी गई थी, वहा हिमालय की दुर्लभ जडी–बूटियों के अंष मिले हैं। जबकि पूरे श्रीलंका मे ऐसा नही होता और हिमालय की जडी बुटियों का श्रीलंका मे पाया जाना इस बात का बडा प्रमाण हैं।

6– रावण का महलः –

पुरातत्व विभाग को श्रीलंका मे एक महल मिला है जिसे रामायण काल का बताया गया हैं। जिसमे

रामायण लंका दहन का वर्णन हैं। जब हनुमान जी ने पूरी लंका मे अपनी पूंछ से आग लगा दी थी। जलने के बाद उस जगह की मिटटी काली हो गई थी इस बात के प्रमाण भी यहां से मिलते है यही से थोडी दूर पर रावण एल्ला नाम से एक झरणा है जो 82 फिट की उंचाई से गिरता है विभीषण ने अपना महल कालानिया ने बनाया था यह कैलानी नदी के किनारे स्थित था । नदी के किनारे पुरातत्व विभाग को उस महल के अवषेष मिले हैं।

7– मंदिर एंव मुद्राएं :–

यूनान के कवि होमर का प्राचीन इलियड काव्य और रामायण एक ही हैं। बाली, सुमात्रा , इंडोनेषिया के पुराने मंदिरों में रामायण कथा के दृष्य अंकित हैं। अकबर ने अपनी एक स्वर्ण मुद्रा पर सीता राम को चित्रित किया है। धार और रतनाम राज्य की मुद्राओं पर हनुमान अंकित हैं। कुषाण सम्राष्ट कनिष्क ने अपनी मुद्रा पर वायुदेवता हनुमान को स्थान दिया है। संतों द्वारा प्रचलित पीपल की मुद्रा पर राम आदि चारों भाई, सीता और हनुमान चित्रित हैं।

8– रामसेतु :–

रामायण में जिस पुल की सहायता से भगवान राम समुद्र पार कर लंका तक गये थे वो पुल आज भी मौजूद है जो भारत से श्रीलंका तक जाता है । नासा ने इसके बारे में भारत

सरकार को कई सबूत दिये हैं जिससे यह पता चलता है कि यह सेतु मानव निर्मित है । वैज्ञानिक तत्व के आधार पर इसे रामायण जितना ही प्राचीन माना गया है।

निष्कर्ष :–

निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि रामायण के दृष्य अनेकानेक पुरातत्व की उत्खनित सामग्री , प्रस्तर , प्रतिभाओं अथवा मृण्मय प्रतिभाओं के रूप में मिले हैं। ये दृष्य भी कालांतर में इतने लोकप्रिय हुये कि अनेकानेक मध्ययुगीन मंदिरों में देखने को मिलते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1– श्रंपद ए डममदौीप ;2013द्धए त्उं ंदक ।लकीलं ए छमू क्मसीप ए ।तलंद ठववोण

2. स्ंसए ठण्ठ ; 2008द्ध त्उं ए भ्पे भ्पेजवतपबपजल डंदकपत ंदक ैमजनए ।तलंद ठववो पदजमतदंजपवंसण

3. ।लवकीलं झं प्जपीं मअंउ च्नतंजंजजअं त्हअमहं झंसेंम ंइ जांए इल जींनत च्वेंक टमतउं ैण्च्ण् ठनचजं